

दिनांक 10 अक्टूबर, 2017 केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (C.I.P.), राँची में “World Mental Health Day” के अवसर पर आयोजित समारोह में माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण

मुझे केन्द्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (C.I.P.), राँची द्वारा “World Mental Health Day” के अवसर पर आयोजित समारोह में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। C.I.P के लिए गौरव का विषय है कि यह अपने संस्थान के स्थापना का 100वाँ वर्ष मना रहा है। “World Mental Health Day” के अवसर पर India Post द्वारा C.I.P. पर आधारित “Customized My Stamp” का विमोचन किया गया है। आशा है कि यह Stamp के जरिये भी इस अस्पताल की गरिमा को और बढ़ायेगा।

आज “World Mental Health Day” है। वर्तमान में mental health की अहमियत से सभी को अवगत होना होगा। विगत कुछ वर्षों से लोगों में मानसिक रोग बढ़ रहे हैं, जो हमारे समक्ष एक गंभीर चुनौती है। Mental disorders अथवा depression पर काबू पाना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। अवसाद एवं मानसिक बीमारियों के कारण बहुत से लोगों की मृत्यु होने तक की घटनायें सुनने में आती है, suicide की घटनायें बढ़ रही हैं। ये mental illness एवं suicide की tendency बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं पुरुषों, सभी में विभिन्न कारणों से पाया जाना बेहद दुखद एवं चिन्तनीय है। यह देखा जा रहा है कि लोग आज विभिन्न कारणों से तनाव में भी जीवन जी रहे हैं। बेशक आज

competition का युग है। competition के दौड़ में पिछड़ने से एवं तनाव से भी लोगों में depression बढ़ रहे है, वे हीन भावना से ग्रसित हो रहे हैं और कभी-कभी वे suicide तक भी कर बैठते हैं, जो गलत है। लोगों को इस competition के युग और जीवन को समझना होगा, उसे इसे challenge के रूप में लेना होगा और उसका सामना डटकर करना होगा। मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ने हेतु योग को सक्रियता के साथ अपनाना होगा। नशापान के कारण भी मनोरोगियों की संख्या में वृद्धि अधिक हो रही हैं। लोगों को नशापान जैसी बुरी आदतों से बचना चाहिए। इस हेतु समाज में जागरूकता लाने का कार्य करना होगा और इसमें मनोचिकित्सा संस्थानों को महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए।

इस अवसर पर मैं यह कहना चाहूँगी कि लोगों को भी मनोरोग से सम्बन्धित बीमारी का थोड़ा भी शक होने पर Psychiatrists के पास बेझिझक जाना चाहिए। Generally यह देखने को मिलता है कि लोग Psychiatrists के पास जाने में झिझकते हैं, उसे लगता है कि उस Doctor के पास जाने से लोग उन्हें या उनके परिवार के सदस्य को पागल न समझें, लोगों में यह धारणा बिल्कुल गलत है। मानसिक रोगी अथवा मनोरोगी अपनी बीमारी से जितना पीड़ित रहता है, उससे अधिक वह मानसिक रोग से जुड़े भय, शर्म और ग्लानि से पीड़ित रहता है। उन्हें समझना होगा कि यह समस्या बहुत आम है, जिससे डरने या मजाक उड़ाने की सोच की बजाय इससे उबरने हेतु सार्थक पहल करनी चाहिए। इस बीमारी को भी आम बीमारी की तरह लोगों को समझना चाहिए। इस बीमारी का शिकार कोई भी व्यक्ति कभी भी हो सकता है। यह लोगों को समझना होगा और अन्य

बीमारियों की भाँति इसका भी इलाज जल्द-से-जल्द कराना चाहिए। इसमें कोई झिझक नहीं होना चाहिए। इसके लिए भी Psychiatrists को भी समाज में जागरूकता फैलानी होगी और आम-जनों के मन में व्याप्त इस गलतफहती को दूर करने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह करना चाहिए।

जय हिन्द ! जय झारखण्ड!